

दिगम्बर जैनाचार्यश्री सुनीलसागर विरचित
सुनील प्राकृत समग्र

सम्पादक

प्रो. डॉ. उदयचंद जैन, प्रो. डॉ. दामोदर शास्त्री
डॉ. महेन्द्रकुमार जैन 'मनुज'

आयरिय-सुणीलसायर-विरइदं सुणील-पागद-समग्गं

सुनील प्राकृत समग्र

(आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज कृत दस प्राकृत ग्रन्थों का संग्रह)

08 काण्ड-10 तर्काग्र . आचार्यश्री सुनीलसागर

सुनील प्राकृत समग्र, आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज कृत दस प्राकृत ग्रन्थों का संग्रह है। यह ग्रन्थ प्राकृत भाषा के अनेक विद्वानों द्वारा रचित है। इसमें अनेक प्राकृत ग्रन्थों का संग्रह है।

संपादक

- प्रो. डॉ. उदयचंद जैन, उदयपुर
- प्रो. डॉ. दामोदर शास्त्री, लाडनूं
- डॉ. महेन्द्रकुमार जैन 'मनुज', इन्दौर



भारतीय ज्ञानपीठ

सुनील-समग्र-प्राकृत-संग्रह-प्रकाशक-संस्थान

सुनील-समग्र-प्राकृत-संग्रह

(सुनील-समग्र-प्राकृत-संग्रह-प्रकाशक-संस्थान)

मूर्तिदेवी ग्रन्थमाला : प्राकृत ग्रन्थांक 30

सुनील प्राकृत समग्र

(आचार्यश्री सुनीलसागरजी महाराज कृत दस प्राकृत ग्रन्थों का संग्रह)

ISBN 978-93-263-5473-8

प्रकाशक : भारतीय ज्ञानपीठ

18, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, लोदी रोड, नयी दिल्ली-110 003

मुद्रक : आर.के. ऑफसेट, दिल्ली

आवरण : चन्द्रकान्त शर्मा

© भारतीय ज्ञानपीठ

SUNEEL PRAKRIT SAMAGRA

(Acharyashree Suneelsagarji Maharaj)

Published by : **Bharatiya Jnanpith**

18, Institutional Area, Lodi Road, New Delhi-110 003

e-mail : bjnanpith@gmail.com, sales@jnanpith.net

website : www.jnanpith.net

Second Edition : 2018

Price : Rs. 400